B.A./5th Sem (G)/SNSK/22(CBCS)

2022

5th Semester Examination

SANSKRIT (General)

Paper : DSE 1A/2A-T

[CBCS]

Dr. Tara S.K.S. Mahavidyalaya
CENTRAL LIBRARY
Estd.-2006
Chakshyampur, Paschim Medinipur

Full Marks : 60 Time : 3 Hours

The figures in the margin indicate full marks. Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

[Philosophy, Religion and Culture in Sanskrit Tradition]

1. संस्कृतभाषया देवनागरीलिप्या च अधोलिखितेषु दश प्रश्नाः समाधेया : 2×10=20

(क) श्रीमद्भगवद्गीतायाः द्वादशाध्यायस्य नाम किम् ? क्रोधात् भवति कः ?

(ख) गुणः कः भवति ? स च कतिविधः ? के च ते ?

(ग) श्रीमद्भगवद्गीतायाः उत्सः कः ? गीतायां कति अध्यायाः सन्ति ?

(घ) कियन्तः पुरुषार्थाः ? के च ते ?

(ङ) मनुमते संस्काराः कति प्रकाराः ? मनुपुत्रः कः ?

(च) श्रीमद्भगवद्गीतायाः प्राचीनभाष्यकारः कः ? तस्य भाष्यग्रन्थस्य नाम किम् ?

(छ) सांख्यमते प्रकृतिः का ?

(ज) मनुस्मृति इति ग्रन्थस्य प्रवर्त्तकः कः ? मनुस्मृतौ कति अध्यायाः सन्ति ?

(झ) स्मृति-ग्रन्थाः कति सन्ति ?

(ञ) मनुस्मृतौ अष्टविवाहप्रकाराः के सन्ति ?

(ट) षोडशसंस्कारेषु कः सप्तमः संस्कारः ? सर्वोत्तमः विवाहः कोऽस्ति ?

(ठ) के सन्ति पञ्चमहायज्ञाः ?

(ड) भारतीय-जीवनस्य अन्तिमं लक्ष्यं किम् ? प्राचीन धर्मसूत्रकारः कः ?

(ढ) किन्नाम समावर्तनम् ?

(ण) "क्लैब्यं मा स्म गमः...."—उक्तिरियं कं प्रति कस्य ?

2. अधोलिखितेषु चत्वारः प्रश्नाः समाधेयाः (एकस्य प्रश्नस्य उत्तरमवश्यमेव संस्कृतभाषया देवनागरीलिप्या च प्रदेयम्) : 5×4=20

(क) भारतीयदर्शनानुसारेण कर्मवादस्य गुरुत्वं विचारयत।

(ख) 'पुरुषार्थचतुष्टयम्'—इत्यस्मिन् विषये संक्षेपेण आलोच्यताम्।

(ग) व्याख्या कार्या :

"मय्यावेश्य मनो ये मां नित्ययुक्ता उपासते।
श्रद्धया परयोपेतास्ते मे युक्ततमा मताः।।"

(घ) व्याख्या कार्या :

"नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः।।"

(ङ) टीका लेखनीया : ऋणत्रयम्।

(च) टीका लेखनीया : योगक्षेमम्।

3. अधोलिखितेषु प्रश्नद्वयं समाधेयम् : 10×2=20

(क) संस्कारः कः ? संस्कारः कतिविधः ? तेषां नामानि उल्लिख्य यथेच्छं चत्वारः वर्णनीयाः।

(ख) श्रीमद्भगवद्गीतायाः द्वादशध्यायानुसारं भगवतः प्रियभक्तानां लक्षणानि वर्णयत।

(ग) धर्मशास्त्रविषये कश्चन प्रबन्धो विरचयत।

(घ) प्रकृतिवर्णनपुरस्सरं गुणत्रयं व्याख्येयम्।

OR

[Indian Perspectives in Personality Development]

1. यथेच्छं ***दशप्रश्नाः*** समाधेया :

যে-কোনো ***দশটি*** প্রশ্নের উত্তর দাও : 2×10=20

(क) श्रीमद्भगवद्गीतानुसारेण ब्राह्मणस्य स्वभावजातकार्याणि कानि भवन्ति ?

শ্রীমদ্ভগবদ্গীতানুসারে ব্রাহ্মণের স্বভাবজাত কর্মসমূহ কী কী ?

(ख) जीवः आसुरप्रवृत्तिं कथमाश्रयते ? तस्य फलं किं भवति ?

জীব আসুর প্রবৃত্তি আশ্রয় করে কেন ও তার ফল কী ?

(ग) जन्मकाले जीवानाम् आत्मज्ञानं कथं प्रतिबद्धं भवति ?

জন্মকালে প্রাণীদের আত্মজ্ঞান প্রতিবদ্ধ থাকে কেন ?

(घ) श्रीमद्भगवद्गीतायाः ज्ञानयोगानुसारेण कीदृशेन ज्ञानेन मुक्तिः भवति ?

শ্রীমদ্ভগবদ্গীতার কর্মযোগানুসারে কেন মানুষ কর্মে প্রবৃত্ত হয় ?

(ङ) सांख्ययोगानुसारेण शुद्धाबुद्धिः केषु नोदिता भवति ?

সাংখ্যযোগানুসারে শুদ্ধাবুদ্ধি কাদের মধ্যে উদিত হয় না ?

(च) श्रीमद्भगवद्गीतानुसारेण योगक्षेम शब्दस्य को अर्थः भवति ?

শ্রীমদ্ভগবদ্গীতা অবলম্বনে যোগক্ষেম শব্দের অর্থ লেখ।

(छ) सांख्ययोगानुसारेण विषयतृष्णा केनोपायेन अपनीता भवति ?

সাংখ্যযোগানুসারে বিষয়তৃষ্ণা কিভাবে দূরীভূত হয় ?

(ज) को नाम स्थितप्रज्ञः ?

স্থিতপ্রজ্ঞ কাকে বলে ?

(झ) कर्मयोगानुसारेण कामपरिहाराय के उपायाः भवन्ति ?

কর্মযোগানুসারে কামকে পরিহার করার উপায়গুলি কী ?

(ञ) सविकल्पसमाधौ योगिनां चित्तं कीदृशं भवति ?

সবিকল্প সমাধিতে যোগীর চিত্ত কীরূপ থাকে ?

(ट) श्रीमद्भगवद्गीतानुसारेण को नाम असम्प्रज्ञातसमाधिः ?

শ্রীমদ্ভগবদ্গীতা অবলম্বনে অসম্প্রজ্ঞাত সমাধি কাকে বলে ?

(ठ) कुरुक्षेत्रस्य युद्धे अर्जुनस्य शङ्खस्य धनुषश्च नाम किम् ?

কুরুক্ষেত্রের যুদ্ধে অর্জুনের ব্যবহৃত শঙ্খ ও ধনুর নাম কী ?

(ड) श्रीमद्भगवद्गीतायां क्षेत्रस्य क्षेत्रज्ञस्य च लक्षणं किम् ?

শ্রীমদ্ভগবদ্গীতায় ক্ষেত্র ও ক্ষেত্রজ্ঞের লক্ষণ কী ?

(ढ) कानि तावत् पञ्चसूक्ष्ममहाभूतानि स्थूलपञ्चमहाभूतानि च भवन्ति ?

পঞ্চসূক্ষ্মমহাভূত ও স্থূলপঞ্চমহাভূতগুলি কী কী ?

2. यथेच्छं ***प्रश्नचतुष्टयं*** समाधेयम् :

যে-কোনো ***চারটি*** প্রশ্নের উত্তর দাও : 5×4=20

(क) श्रीमद्भगवद्गीतानुसारेण स्वधर्मस्य विकाशः तस्य रक्षणोपायाः च लिख्यन्ताम्।

গীতা অনুসারে স্বধর্মের বিকাশ ও তার রক্ষণের উপায়সমূহ উল্লেখ কর।

(ख) व्यक्तिभेदस्य कारणानि लिख्यन्ताम्।

ব্যক্তিভিন্নতার কারণসমূহ উল্লেখ কর।

(ग) वैदिकवाङ्मयमाश्रित्य व्यक्तिस्वरूपं व्यक्तित्वं च आलोच्यताम्।

বৈদিকবাঙ্ময় অবলম্বনে ব্যক্তি ও ব্যক্তিত্ব বিষয়দুটি আলোচনা কর।

(घ) कुरुक्षेत्रयुद्धस्य प्रारम्भे अर्जुनस्य विषाददृश्यं वर्ण्यताम्।

কুরুক্ষেত্রের যুদ্ধের প্রারম্ভে অর্জুনের বিষাদদৃশ্য বর্ণনা কর।

(ङ) बृहदारण्यकोपनिषदनुसारेण समासेन जीवात्मनः उत्क्रमणम् आलोच्यताम्।

বৃহদারণ্যকোপনিষদ অনুসারে সংক্ষেপে জীবাত্মার উত্ক্রমণ আলোচনা কর।

(च) छान्दोग्योपनिषदनुसारेण एकविज्ञानेन सर्वविज्ञानमिति तत्त्वमालोच्यताम्।

ছান্দোগ্যোপনিষদ অনুসারে এক বিজ্ঞানে সর্ববিজ্ঞানের তত্ত্বটি সংক্ষেপে লেখ।

3. यथेच्छं **प्रश्नद्वयं** समाधेयम् :

যে-কোনো ***দুটি*** প্রশ্নের উত্তর দাও : 10×2=20

(क) अर्जुनविषादयोगे अर्जुनमुद्दिश्य श्रीकृष्णप्रदत्ताः उपदेशाः केनोपायेन मानवानां चरित्रविकाशाय सहायकाः भवन्ति तदालोच्यताम्।

অর্জুনবিষাদযোগে অর্জুনকে শ্রীকৃষ্ণ প্রদত্ত উপদেশগুলি কিভাবে মানুষের চরিত্রবিকাশে সহায়তা করে তা আলোচনা কর।

(ख) गीतानुसारेण पुरुषप्रकृतितत्त्वम् आलोच्यताम्।

গীতা অনুসারে পুরুষ ও প্রকৃতি তত্ত্ব আলোচনা কর।

(ग) निष्कामकर्मयोगः कः? गीतानुसारेण निष्कामकर्मयोगः व्याख्यायताम्।

নিষ্কাম কর্মযোগ কী? গীতা অনুসারে নিষ্কাম কর্মযোগ ব্যাখ্যা কর।

(घ) गीतोक्ताचरणविधेः परिमार्जनानि लिख्यन्ताम्।

গীতায় উক্ত আচরণবিধির পরিমার্জনগুলি উল্লেখ কর।